UPSC (IAS) Prelims 2025

Current Affairs

18 Months

CRASH COURSE

#IAS

ABHAY SIR

Result Mitra

Events in News

- आकाशतीर सिस्टम्स
- वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम
- ड्रैगन ड्रोन – आधुनिक युद्ध में आग बरसाने वाला ड्रोन
- THAAD मिसाइल रक्षा प्रणाली
- हेलफायर मिसाइल
- अमृत योजना (AMRUT)
- वैश्विक जल संसाधन स्थिति रिपोर्ट
- राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024
- CCPA ग्रीनवॉशिंग रोकथाम दिशा-निर्देश

Result Mitra

Result Mitra
आकाशतीर सिस्टम्स

आकाशतीर सिस्टम्स

Daily Current News

प्रश्न 1: 'Aakashteer' प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह भारतीय वायु सेना की एक एयर-टू-एयर मिसाइल प्रणाली है।
2. इसका उद्देश्य वायु रक्षा संचालन का वास्तविक समय में समन्वय और नियंत्रण प्रदान करना है।
3. यह प्रणाली भारतीय सेना द्वारा विकसित की गई है।

सही विकल्प चुनिए:

A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

- **आकाशतीर सिस्टम्स –**
- भारत की वायु सुरक्षा को नई ताकतभारतीय थल सेना ने 100 आकाशतीर वायु रक्षा प्रणालियों (Akashteer ADCRS) की खरीद प्रक्रिया पूरी कर ली है।
- यह एक स्वदेशी प्रणाली है, जिसे भारत के भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) द्वारा विकसित किया गया है।

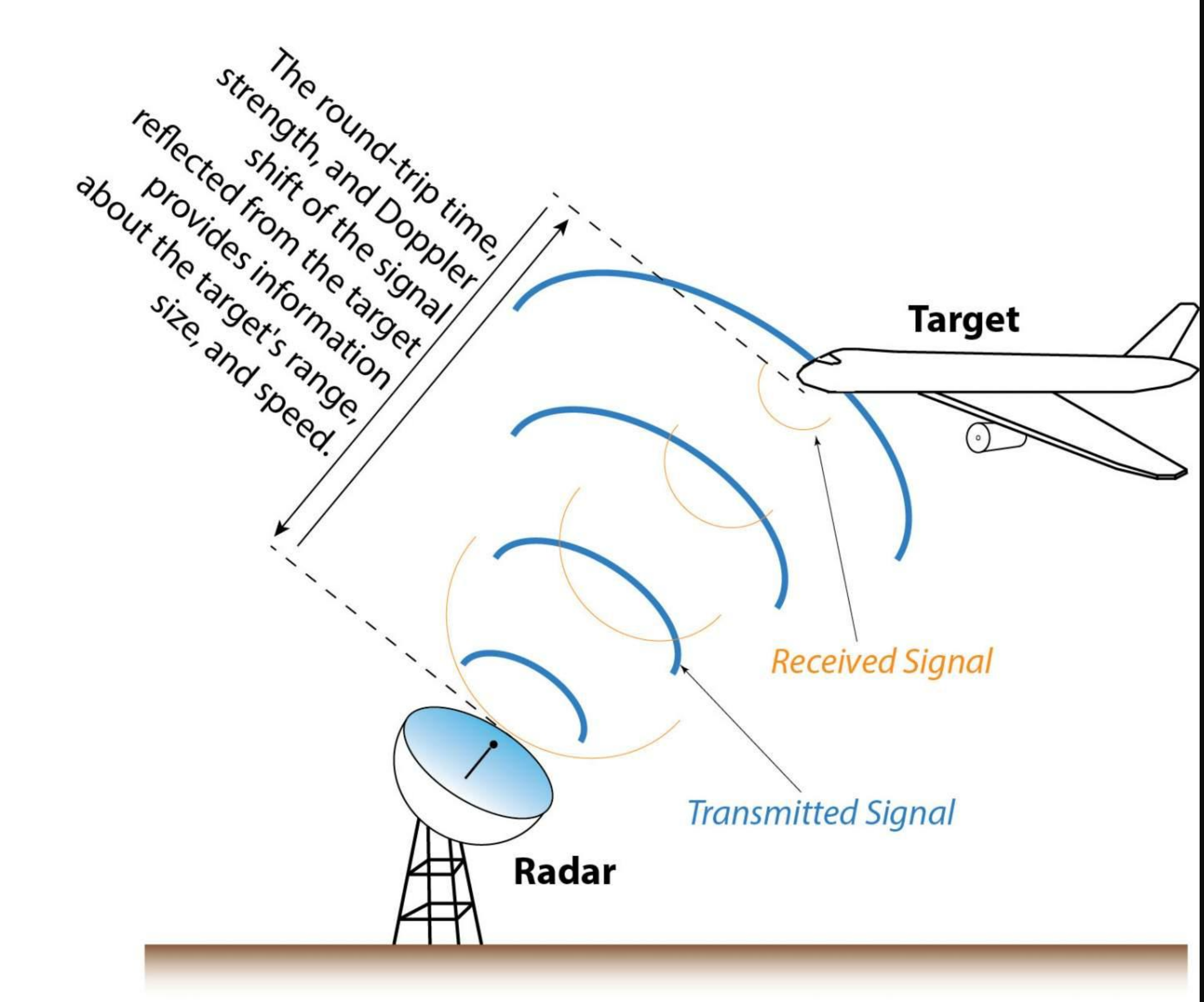
The round-trip time, strength, and Doppler shift of the signal reflected from the target provides information about the target's range, size, and speed.
Target
Received Signal
Transmitted Signal
Radar

आकाशतीर सिस्टम्स

Result Mitra

- **आकाशतीर प्रणाली क्या है?**
- आकाशतीर एक उन्नत वायु रक्षा नियंत्रण और रिपोर्टिंग प्रणाली (Advanced Air Defence Control and Reporting System - ADCRS) है।
- **इसका मुख्य उद्देश्य है** – हवाई खतरों जैसे दुश्मन के मिसाइल, रॉकेट या ड्रोन हमलों का पता लगाना और उन पर तेजी से जवाबी कार्रवाई करना।
- यह प्रणाली रियल-टाइम निगरानी, लक्ष्य पहचान और डेटा साझा करने में सक्षम है।

- **मुख्य विशेषताएं:**
- 1. रियल-टाइम वायु निगरानी:
- युद्ध क्षेत्र में कम ऊंचाई पर उड़ रहे हवाई खतरों (जैसे ड्रोन, हेलीकॉप्टर, रॉकेट) को तुरंत पहचान सकती है।
- 2. तेजी से निर्णय लेने की क्षमता:
- यह दुश्मन की गतिविधियों का तुरंत विश्लेषण कर सेना को सटीक और त्वरित जवाब देने में मदद करती है।

आकाशतीर सिस्टम्स

Result Mitra

- 3. डिजिटल और नेटवर्क आधारित प्रणाली:
- यह पूरी तरह से डिजिटल है और नेटवर्क के जरिए सेना की अन्य इकाइयों से जुड़ी रहती है।
- इससे कमान और कंट्रोल (C2) प्रणाली मजबूत होती है।
- 4. मोबाइल और फील्ड-रेडी:
- यह प्रणाली आसान रूप से कहीं भी तैनात की जा सकती है, जिससे इसे फील्ड में भी उपयोग किया जा सकता है।

- **इसकी ज़रूरत क्यों थी?**
- हवाई खतरों में तेजी से बदलाव आ रहा है – अब ड्रोन और स्मार्ट हथियारों से हमले आम हो गए हैं।
- ऐसे में सेना को एक ऐसी प्रणाली की जरूरत थी जो तुरंत खतरा पहचान सके और सटीक प्रतिक्रिया दे सके।
- आकाशतीर इस आवश्यकता को पूरा करता है।

आकाशतीर सिस्टम्स

Daily Current News

Result Mitra

- **इस सौदे का महत्व:**
- यह 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देता है।
- भारतीय सेना की वायु रक्षा क्षमता को आधुनिक और मजबूत बनाता है।
- यह प्रणाली युद्ध के दौरान सेना की इकाइयों और ठिकानों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएगी।
- आकाशतीर प्रणाली का उपयोग करने से सेना कम समय में निर्णय ले पाएगी और दुश्मन के हमलों को विफल कर सकेगी।

आकाशतीर सिस्टम्स

Result Mitra

प्रश्न 1: 'Aakashteer' प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह भारतीय वायु सेना की एक एयर-टू-एयर मिसाइल प्रणाली है।
2. इसका उद्देश्य वायु रक्षा संचालन का वास्तविक समय में समन्वय और नियंत्रण प्रदान करना है।
3. यह प्रणाली भारतीय सेना द्वारा विकसित की गई है।

सही विकल्प चुनिए:

A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

उत्तर: B) केवल 2 और 3

व्याख्या:

• कथन 1 गलत है: Aakashteer कोई मिसाइल प्रणाली नहीं है, बल्कि एक स्वदेशी स्वचालित वायु रक्षा नियंत्रण और प्रबंधन प्रणाली (Air Defence Control & Reporting System) है।

• कथन 2 सही है: यह प्रणाली वायु रक्षा हथियारों के लिए रियल टाइम ऑपरेशन, ट्रैकिंग, टारगेटिंग और समन्वय के लिए उपयोग की जाती है।

कथन 3 सही है: इसे भारतीय सेना के लिए विकसित

• किया गया है और हाल ही में इसका परीक्षण भी किया गया है।

Result Mitra
VSHORADS
VSHORADS
वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम

वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. DRDO का मुख्य उद्देश्य भारत की रक्षा सेवाओं के लिए स्वदेशी रक्षा तकनीक का विकास करना है।
2. DRDO रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है।
3. DRDO की स्थापना 1958 में तीन संगठनों के विलय के बाद की गई थी।

सही विकल्प चुनिए:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

- **वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (VSHORADS) – दुश्मन के हवाई खतरों पर नज़दीकी वार**
- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने राजस्थान के पोखरण रेंज में स्वदेशी रूप से विकसित VSHORADS सिस्टम का सफल परीक्षण किया है।
- इस परीक्षण में सिस्टम ने अपनी "हिट-टू-किल" क्षमता (यानी सीधे लक्ष्य पर सटीक हमला) को एक बार फिर साबित किया।

वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम

- **VSHORADS क्या है?**
- VSHORADS का पूरा नाम है – Very Short Range Air Defence System
- यह एक "मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम" (MANPADS) है, यानी इसे एक सैनिक अपने कंधे पर रखकर चला सकता है।
- इसका उपयोग नजदीकी दूरी पर उड़ने वाले दुश्मन के हवाई वाहनों जैसे ड्रोन, हेलीकॉप्टर या कम ऊंचाई वाले विमानों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है।

- **मुख्य विशेषताएं:**
- **1. स्वदेशी डिज़ाइन और विकास:**
- इसे DRDO की प्रयोगशाला रिसर्च सेंटर इमारत (RCI), हैदराबाद ने अन्य रक्षा भागीदारों के साथ मिलकर तैयार किया है।
- **2. कम दूरी की हवाई सुरक्षा:**
- यह प्रणाली विशेष रूप से कम ऊंचाई पर और छोटी दूरी पर उड़ रहे हवाई लक्ष्यों को रोकने के लिए डिज़ाइन की गई है।

- **3. डुअल ब्रस्ट सॉलिड मोटर:**
- इसमें दोहरे चरण वाली ठोस ईंधन मोटर है, जिससे यह तेजी से उड़ान भरता है और लक्ष्य तक जल्दी पहुंचता है।
- **4. अनकूल्ड इमेजिंग इन्फ्रारेड सीकर:**
- यह एक उन्नत सेंसर तकनीक है, जो बिना ठंडा किए भी दुश्मन के विमान की गर्मी पहचान कर उसे ट्रैक करता है।
- इससे सिस्टम हर मौसम में और कम रोशनी में भी काम कर सकता है।

- **5. हिट-टू-किल क्षमता:**
- इसका मतलब है कि यह सिस्टम सटीकता से दुश्मन के लक्ष्य को भेदने में सक्षम है, यानी मिसाइल सीधा जाकर लक्ष्य को नष्ट करती है।
- **इसकी उपयोगिता:**
- सीमा क्षेत्रों, युद्ध के मैदानों और रणनीतिक ठिकानों की रक्षा के लिए बहुत उपयोगी है।
- सेना को तेजी से प्रतिक्रिया देने और हवाई खतरों से रक्षा करने की क्षमता प्रदान करता है।

वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम

- दुश्मन के ड्रोन, हेलीकॉप्टर और फाइटर जेट्स को पास आने से पहले ही निशाना बना सकता है।
- **इसका महत्व:**
- यह भारत की स्थानीय रक्षा उत्पादन क्षमता को दर्शाता है।
- इससे भारत को विदेशों से इस प्रकार की तकनीक पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।
- मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान को बड़ा समर्थन मिलेगा।
- सेना को लचीला, हल्का और मोबाइल हवाई रक्षा हथियार मिल रहा है।

प्रश्न 1: रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. DRDO का मुख्य उद्देश्य भारत की रक्षा सेवाओं के लिए स्वदेशी रक्षा तकनीक का विकास करना है।
2. DRDO रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है।
3. DRDO की स्थापना 1958 में तीन संगठनों के विलय के बाद की गई थी।

सही विकल्प चुनिए:

A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

उत्तर: D) 1, 2 और 3

व्याख्या:

कथन 1 सही है: DRDO का प्राथमिक उद्देश्य भारत की

- रक्षा सेवाओं के लिए स्वदेशी रक्षा तकनीक विकसित करना है, जिससे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले।

कथन 2 सही है: DRDO रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य

- करता है और यह एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करता है।
- कथन 3 सही है: DRDO की स्थापना 1958 में तीन संगठनों के विलय के बाद की गई थी Technical Development Establishment (TDEs), Directorate of Technical Development & Production (DTDP), और Defence Science Organisation (DSO) I

Result Mitra
ड्रैगन ड्रोन – आधुनिक युद्ध में आग बरसाने वाला ड्रोन

ड्रैगन ड्रोन

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: 'DRAGON' Drone System के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. DRAGON का पूरा नाम "Dismounted Reconnaissance and Ground Observation Node" है।
2. यह भारतीय सेना के लिए विकसित एक स्वदेशी मल्टी-रोटर ड्रोन सिस्टम है।
3. इसका मुख्य उपयोग लंबी दूरी की मिसाइल लॉन्चिंग में किया जाता है।

सही विकल्प चुनिए:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

- **ड्रैगन ड्रोन – आधुनिक युद्ध में आग बरसाने वाला ड्रोन**
- हाल ही में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान एक नया और खतरनाक हथियार सामने आया है, जिसे "ड्रैगन ड्रोन" कहा जा रहा है।
- यह ड्रोन अपने साथ थर्माइट जैसे ज्वलनशील पदार्थ लेकर चलता है और दुश्मन पर हमला करता है।

ड्रैगन ड्रोन

Result Mitra

- **ड्रैगन ड्रोन क्या है?**
- ड्रैगन ड्रोन एक प्रकार का मानव रहित हवाई वाहन (Drone/UAV) है।
- यह आम ड्रोन्स की तरह उड़ता है लेकिन इसकी खासियत यह है कि यह अपने साथ थर्माइट (Thermite) जैसे तेज़ जलने वाले पदार्थ लेकर जाता है और इसे निशाने पर गिराता है।
- इसका इस्तेमाल दुश्मन की साजो-सामान की इकाइयों, टैंकों, इमारतों या गोला-बारूद डिपो को जलाने के लिए किया जाता है।

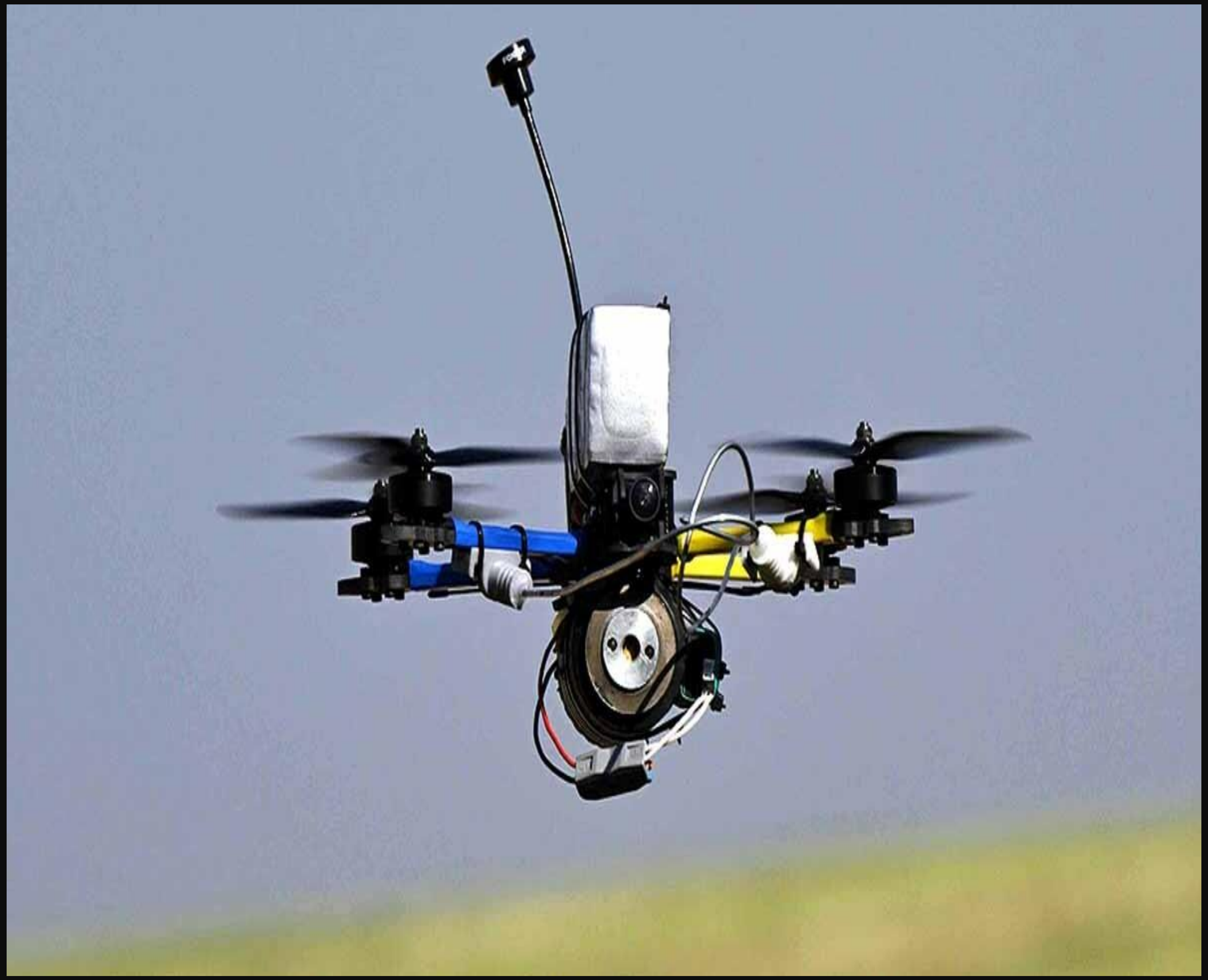

- **थर्माइट क्या होता है?**
- थर्माइट एक रासायनिक मिश्रण होता है जिसमें एल्यूमिनियम पाउडर और आयरन ऑक्साइड मिलाए जाते हैं।
- जब इसे जलाया जाता है, तो यह बहुत तेज गर्मी पैदा करता है – इतनी कि स्टील या लोहे को भी पिघला सकता है।
- इसकी आग बहुत ज्यादा तापमान पर जलती है (लगभग 2,500°C या उससे अधिक) और इसे बुझाना लगभग नामुमकिन होता है।

- इसका उपयोग दुश्मन की मशीनों को नष्ट करने, गोला-बारूद जलाने या संरचनाओं को कमजोर करने के लिए किया जाता है।
- **इतिहास में थर्माइट का उपयोग:**
- थर्माइट का प्रयोग प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में भी किया गया था।
- यह हथियार के तौर पर बहुत प्रभावी रहा है क्योंकि इससे धातु को नष्ट करना, इंजन को पिघलाना और बंकरों में आग लगाना आसान होता है।

- **मानव शरीर पर प्रभाव:**
- थर्माइट के संपर्क में आने से त्वचा बुरी तरह जल सकती है और यह हड्डियों तक को जला सकता है।
- इसकी गर्मी से शरीर पर गंभीर और कभी-कभी जानलेवा चोट लग सकती है।
- **कानूनी स्थिति:**
- थर्माइट वैश्विक रूप से प्रतिबंधित नहीं है, यानी इस पर कोई सार्वभौमिक प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।

- हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के कुछ हथियार नियंत्रण समझौते (जैसे Certain Conventional Weapons Convention - CCWC) के तहत नागरिक क्षेत्रों में इसका उपयोग सीमित या निषिद्ध किया गया है।
- खासकर उन हथियारों पर प्रतिबंध है जो आगजनी के लिए बनाए गए हों और नागरिकों को नुकसान पहुंचा सकते हों।
- **ड्रैगन ड्रोन का महत्व और खतरा:**
- ये ड्रोन कम लागत में बनाए जा सकते हैं और युद्धक्षेत्र में बड़ी तबाही मचा सकते हैं।

ड्रैगन ड्रोन

Daily Current News

- इनका उपयोग छुपकर हमला करने, टारगेट को अंदर से जलाने और लॉजिस्टिक्स सप्लाई को नुकसान पहुंचाने में किया जा रहा है।
- इसका नैतिक और मानवीय सवालों से भी जुड़ाव है, क्योंकि ऐसे हथियार गैर-लड़ाकों को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

ड्रैगन ड्रोन

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: 'DRAGON' Drone System के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. DRAGON का पूरा नाम "Dismounted Reconnaissance and Ground Observation Node" है।
2. यह भारतीय सेना के लिए विकसित एक स्वदेशी मल्टी-रोटर ड्रोन सिस्टम है।
3. इसका मुख्य उपयोग लंबी दूरी की मिसाइल लॉन्चिंग में किया जाता है।

सही विकल्प चुनिए:

A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

ड्रैगन ड्रोन

Daily Current News

Result Mitra

उत्तर: A) केवल 1 और 2

व्याख्या:

• कथन 1 सही है: DRAGON का फुल फॉर्म है
Dismounted Reconnaissance and Ground Observation Node, जो एक उन्नत निगरानी (surveillance) ड्रोन है।

• कथन 2 सही है: यह एक स्वदेशी रूप से विकसित
किया गया मल्टी-रोटर ड्रोन सिस्टम है जिसे भारतीय सेना की इंटेलिजेंस, निगरानी और टोही (ISR) क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है।

कथन 3 गलत है: यह कोई मिसाइल लॉन्चिंग सिस्टम
नहीं है, बल्कि एक सर्वेillance और ग्राउंड रिकॉन हेतु प्रयोग किया जाने वाला ड्रोन है।

Result Mitra
THAAD मिसाइल रक्षा प्रणाली
NO STEP

THAAD मिसाइल रक्षा प्रणाली

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: THAAD मिसाइल रक्षा प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. THAAD एक मोबाइल ग्राउंड-बेस्ड मिसाइल रक्षा प्रणाली है जिसे बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
2. यह मिसाइल प्रणाली केवल कम ऊंचाई (low altitude) पर आने वाली मिसाइलों को ही नष्ट कर सकती है।
3. THAAD प्रणाली को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा विकसित किया गया है।

सही विकल्प चुनिए:

A) केवल 1 और 2
B) केवल 1 और 3
C) केवल 2 और 3
D) 1, 2 और 3

- **THAAD मिसाइल रक्षा प्रणाली – हवा में मार करने वाला सुरक्षा कवच**
- **हाल की खबर:**
- संयुक्त राज्य अमेरिका ने घोषणा की है कि वह इज़राइल की रक्षा के लिए THAAD प्रणाली (Terminal High Altitude Area Defense) भेजेगा।

- **THAAD क्या है?**
- THAAD एक उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणाली है, जिसे अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने विकसित किया है।
- इसका उद्देश्य दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइलों को उड़ान के आखिरी चरण में हवा में ही मार गिराना है, जिससे वे अपने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट हो जाएं।

- **किन मिसाइलों से रक्षा करता है?**
- यह सिस्टम शॉर्ट रेंज (छोटी दूरी)मीडियम रेंज (मध्यम दूरी)और इंटरमीडिएट रेंज (मध्यवर्ती दूरी) की बैलिस्टिक मिसाइलों से रक्षा कर सकता है।
- बैलिस्टिक मिसाइलें वे होती हैं जो धरती से लॉन्च होकर ऊपरी वायुमंडल में जाती हैं और फिर लक्ष्य की ओर गिरती हैं।

THAAD मिसाइल रक्षा प्रणाली

Daily Current News

Result Mitra

- **THAAD की खासियतें:**
- 1. हिट-टू-किल तकनीक: यह तकनीक मिसाइल को केवल अपने वेग और सटीकता से टकराकर नष्ट कर देती है — जैसे दो रॉकेट एक-दूसरे से टकराएं।इसमें कोई विस्फोटक नहीं होता, बल्कि सीधी टक्कर से दुश्मन की मिसाइल को हवा में ही खत्म किया जाता है।
- 2. वायुमंडल के बाहर और भीतर दोनों में मार: THAAD मिसाइलें अंतरिक्ष (exo-atmosphere) और वायुमंडल के भीतर (endo-atmosphere) दोनों जगहों पर काम कर सकती हैं।

- 3. तेज रडार सिस्टम: इसमें अत्याधुनिक रडार होते हैं, जो दुश्मन की मिसाइल को बहुत दूर से पहचान लेते हैं और उसका सटीक पीछा करते हैं।
- **एक THAAD बैटरी में क्या-क्या होता है?**
- लगभग 95 सैनिकों की टीम लॉन्चर वाहन, जिन पर इंटरसेप्टर मिसाइलें लगी होती हैंइंटरसेप्टर मिसाइलें
- कमांड और कंट्रोल यूनिटरडार यूनिट, जो दुश्मन की मिसाइल की निगरानी करता है

THAAD मिसाइल रक्षा प्रणाली

Daily Current News

Result Mitra

- **दुनिया में कहाँ-कहाँ THAAD तैनात है?**
- अमेरिका ने इसे दक्षिण कोरिया, जापान, UAE जैसे देशों में तैनात किया है।
- अब इसे इज़राइल की सुरक्षा के लिए भी भेजा जा रहा है।
- **भारत की स्थिति – S-400 प्रणाली:**
- भारत ने अमेरिका की जगह रूस से S-400 ट्रायम्फ मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदी है।
- S-400 भी एक शक्तिशाली वायु रक्षा प्रणाली है, जो 100-400 किमी तक की दूरी पर हवाई खतरों को खत्म कर सकती है।

THAAD मिसाइल रक्षा प्रणाली

Daily Current News

प्रश्न 1: THAAD मिसाइल रक्षा प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. THAAD एक मोबाइल ग्राउंड-बेस्ड मिसाइल रक्षा प्रणाली है जिसे बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
2. यह मिसाइल प्रणाली केवल कम ऊंचाई (low altitude) पर आने वाली मिसाइलों को ही नष्ट कर सकती है।
3. THAAD प्रणाली को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा विकसित किया गया है।

सही विकल्प चुनिए:

A) केवल 1 और 2
B) केवल 1 और 3
C) केवल 2 और 3
D) 1, 2 और 3

उत्तर: B) केवल 1 और 3

व्याख्या:

• कथन 1 सही है: THAAD एक मोबाइल ग्राउंड-बेस्ड मिसाइल डिफेंस सिस्टम है जो शॉर्ट, मीडियम और इंटरमीडिएट रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलों को उनके अंतिम चरण (terminal phase) में इंटरसेप्ट करता है।

• कथन 2 गलत है: THAAD उच्च ऊंचाई (high-altitude) पर इंटरसेप्ट करता है, इसलिए इसे "Terminal High Altitude Area Defense" कहा जाता है। यह मिसाइल को वायुमंडल के अंदर और बाहर दोनों में इंटरसेप्ट कर सकता है।

कथन 3 सही है: THAAD प्रणाली को संयुक्त राज्य अमेरिका के मिसाइल डिफेंस एजेंसी और लॉकहीड मार्टिन द्वारा विकसित किया गया है।

Result Mitra
हेलफायर मिसाइल

हेलफायर मिसाइल

Daily Current News

Result Mitra

- **हेलफायर मिसाइल (Hellfire Missile) – सटीक निशाना लगाने वाली मिसाइल**
- हाल की खबर: भारत ने संयुक्त राज्य अमेरिका से 170 AGM-114R हेलफायर मिसाइलें खरीदने के लिए समझौता किया है।
- ये मिसाइलें भारतीय रक्षा क्षमता को और मज़बूत बनाएंगी, खासकर MQ-9B जैसे ड्रोन्स के ज़रिए।

हेलफायर मिसाइल

DAILY NEWS

Daily Current News

Result Mitra

- **हेलफायर मिसाइल क्या है?**
- AGM-114R हेलफायर एक कम दूरी की हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल है।
- इसे अमेरिका ने खासतौर पर तेज़, सटीक और बहुउद्देशीय हमले के लिए विकसित किया है।

- **मुख्य विशेषताएं:**
- **1. मारक क्षमता:** इसकी रेंज लगभग 7 से 11 किलोमीटर तक होती है, यानी यह दुश्मन को दूर से भी मार सकती है।
- **2. मल्टीपर्पस वारहेड (Multi-purpose Warhead):** यह मिसाइल दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम, टैंकों, छोटी नौकाओं, बंकरों और अन्य ठिकानों को एक ही मिसाइल से नष्ट कर सकती है।
- **3. सटीक निशाना (Precision Strike):** इसमें सेमी-एक्टिव लेजर गाइडेंस सिस्टम होता है, जो लक्ष्य को सटीकता से पहचानकर निशाना बनाता है।

- **4. कई प्लेटफॉर्म से लॉन्च की जा सकती है:** इसे हेलिकॉप्टर, लड़ाकू विमान, ड्रोन्स (जैसे MQ-9B), और जमीन से भी लॉन्च किया जा सकता है।
- **भारत को इसका क्या लाभ होगा?**
- MQ-9B जैसे आधुनिक ड्रोन्स से इन मिसाइलों का उपयोग भारत को सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाइयों में सटीक हमले की क्षमता देगा।
- सीमाओं पर घुसपैठ, आतंकवाद या समुद्री निगरानी जैसे अभियानों में इसका तेज़ और भरोसेमंद उपयोग हो सकता है।
- कम वजन और कॉम्पैक्ट डिज़ाइन के कारण यह छोटे विमानों और UAVs के लिए उपयुक्त है।

- **अन्य रोचक तथ्य:**
- "Hellfire" का पूरा नाम है: Helicopter Launched Fire-and-Forget Missile
- हालांकि अब यह केवल हेलिकॉप्टर तक सीमित नहीं है।
- AGM-114R वर्ज़न को "Romeo" भी कहा जाता है और यह सबसे उन्नत संस्करणों में से एक है।

Result Mitra

अमृत

Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation

अमृत योजना (AMRUT)

अमृत योजना (AMRUT)

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: AMRUT योजना किस वर्ष शुरू की गई थी और इसके अंतर्गत कौन-से प्रमुख घटक शामिल हैं?

1. यह योजना 2015 में शुरू की गई थी।
2. इसमें शहरी परिवहन और हरित क्षेत्र विकास भी शामिल हैं।
3. इसका संचालन जल शक्ति मंत्रालय करता है।

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. सभी 1, 2 और 3

अमृत योजना (AMRUT)

- **1. AMRUT 1.0 (2015-2022)**
- पूरा नाम:Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation
- शुरुआत: 25 जून 2015 को, भारत सरकार द्वारा
- उद्देश्य: शहरी बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना
- जल आपूर्ति, सीवरेज, शहरी परिवहन, और हरित स्थानों में सुधार
- गरीबों और वंचितों को शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराना

- **मुख्य घटक:**
- हर घर को नल से जल
- सीवरेज नेटवर्क और शोधन
- गैर-मोटर चालित शहरी परिवहन (जैसे साइकिल ट्रैक)
- हरित स्थानों का विकास
- **शासन सुधार (e-Governance)**
- लाभार्थी शहर :500 से अधिक शहर जिनकी आबादी 1 लाख से अधिक थी

अमृत योजना (AMRUT)

Result Mitra

- **2. AMRUT 2.0 (2021-2026)**
- शुरुआत: 1 अक्टूबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा
- विज़न: "हर घर जल": 100% घरों को नल कनेक्शन
- 100% सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन
- शहरी जल निकायों का संरक्षण और पुनर्जीवन
- हरित क्षेत्रों और पार्कों का विकास
- तकनीकी नवाचार और PPP मॉडल का उपयोग

अमृत योजना (AMRUT)

Result Mitra

- **बजट आवंटन:**
- ₹2.99 लाख करोड़ (2021-26), जिसमें केंद्र सरकार का हिस्सा ₹76,760 करोड़
- प्रमुख परिवर्तन (AMRUT 1.0 बनाम AMRUT 2.0):

बिंदु	AMRUT 1.0	AMRUT 2.0
उद्देश्य	बुनियादी सुविधाओं का विस्तार	सार्वभौमिक जल और सीवरेज कवरेज
दृष्टिकोण	परियोजना आधारित	प्रणाली आधारित
तकनीक	सीमित	स्मार्ट समाधान, डेटा आधारित योजना
भागीदारी	केंद्र और राज्य	PPP और तकनीकी साझेदारी

अमृत योजना (AMRUT)

Daily Current News

प्रश्न 1: AMRUT योजना किस वर्ष शुरू की गई थी और इसके अंतर्गत कौन-से प्रमुख घटक शामिल हैं?

1. यह योजना 2015 में शुरू की गई थी।
2. इसमें शहरी परिवहन और हरित क्षेत्र विकास भी शामिल हैं।
3. इसका संचालन जल शक्ति मंत्रालय करता है।

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. सभी 1, 2 और 3

उत्तर: A. केवल 1 और 2

स्पष्टीकरण:

• कथन 1 सही है - AMRUT योजना 2015 में शुरू हुई थी।

• कथन 2 सही है यह योजना शहरी परिवहन, हरित क्षेत्र, जल और सीवरेज जैसे घटकों को कवर करती है।

• कथन 3 गलत है इसका संचालन आवास और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) करता है, जल शक्ति मंत्रालय नहीं।

Result Mitra
State of Global
Water Resources
Report
वैश्विक जल संसाधन स्थिति रिपोर्ट

- **वैश्विक जल संसाधन स्थिति रिपोर्ट – 2023**
- **जारी करने वाला संगठन:**
- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) – संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी, जो मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान, जलविज्ञान और संबंधित पर्यावरणीय क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देती है।

WORLD METEOROLOGICAL ORGANIZATION

- **मुख्य निष्कर्ष (Highlights):**
- **1. जलवायु परिवर्तन और गर्मी का असर:** 2023 अब तक का सबसे गर्म वर्ष रहा।
- अत्यधिक गर्मी और असामान्य मौसम ने जल संसाधनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया।
- **2. नदियों की स्थिति:** 2023 पिछले 33 वर्षों में नदियों के लिए सबसे शुष्क वर्ष रहा।
- कई बड़ी नदियों में जल स्तर सामान्य से नीचे रहा, जिससे पीने के पानी, कृषि और बिजली उत्पादन पर असर पड़ा।

- **3. मृदा की नमी (Soil Moisture):** विश्व के बड़े भू-भागों में मृदा की नमी सामान्य से काफी कम रही।
- इसका असर सीधे फसल उत्पादन और पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ा।
- **4. झीलों और जलाशयों की स्थिति:** अमेज़न क्षेत्र की कोबरी झील में जल स्तर बहुत नीचे चला गया।
- इसका परिणाम यह हुआ कि झील का तापमान तेजी से बढ़ गया, जिससे जलीय जीवन प्रभावित हुआ।

- **5. ग्लेशियरों की हालत:** पिछले 50 वर्षों में ग्लेशियरों का सबसे तेज़ पिघलाव 2023 में देखा गया।
- इससे समुद्र तल में वृद्धि, मीठे पानी की आपूर्ति में कमी, और प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ी।
- **रिपोर्ट का महत्व:**
- यह रिपोर्ट हमें बताती है कि जल संसाधन किस तरह से जलवायु परिवर्तन के कारण संकट में हैं।
- यह नीति निर्माताओं और सरकारों को सतर्क करती है कि समय रहते जल संरक्षण, जलवायु अनुकूलन, और सतत जल प्रबंधन की योजनाएं बनाएं।

Result Mitra
NATIONAL
WATER AWARDS
Share your innovative approach towards water
राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024

वैश्विक जल संसाधन स्थिति रिपोर्ट

Daily Current News

प्रश्न 1: राष्ट्रीय जल मिशन के निम्नलिखित में से कौन-से उद्देश्य हैं?
1. जल उपयोग दक्षता में 20% तक सुधार
2. सभी के लिए मुफ्त जल आपूर्ति सुनिश्चित करना
3. जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जल संसाधनों को अनुकूल बनाना

A. केवल 1 और 2
B. केवल 1 और 3
C. केवल 2 और 3
D. सभी 1, 2 और 3

राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024

DAILY NEWS

Daily Current News

Result Mitra

- **राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024 –**
- **प्रस्तुति:** भारत की राष्ट्रपति द्वारा, नई दिल्ली में
- **आयोजक मंत्रालय:** जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार
- शुरुआत वर्ष: 2018
- **मूल उद्देश्य:** जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करनालोगों में जल की महत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाना
- सर्वोत्तम जल उपयोग प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना

राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024

Daily Current News

Result Mitra

- **पुरस्कार की श्रेणियाँ (Total 9 Categories):**
- 1. सर्वश्रेष्ठ राज्य (Best State)
- 2. सर्वश्रेष्ठ जिला (Best District)
- 3. सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत (Best Gram Panchayat)
- 4. सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय (Best Urban Local Body - ULB)
- 5. सर्वश्रेष्ठ स्कूल / कॉलेज
- 6. सर्वश्रेष्ठ उद्योग (Best Industry)
- 7. सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ (Water User Association)
- 8. सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल/कॉलेज के अलावा)
- 9. सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज (Best Civil Society Organization)

- **2024 के प्रमुख विजेता:**
- सर्वश्रेष्ठ राज्य: ओडिशा
- जल संरक्षण, पुनर्भरण, और जल प्रबंधन में अभिनव प्रयासों के लिए
- सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय (ULB): सूरत, गुजरात

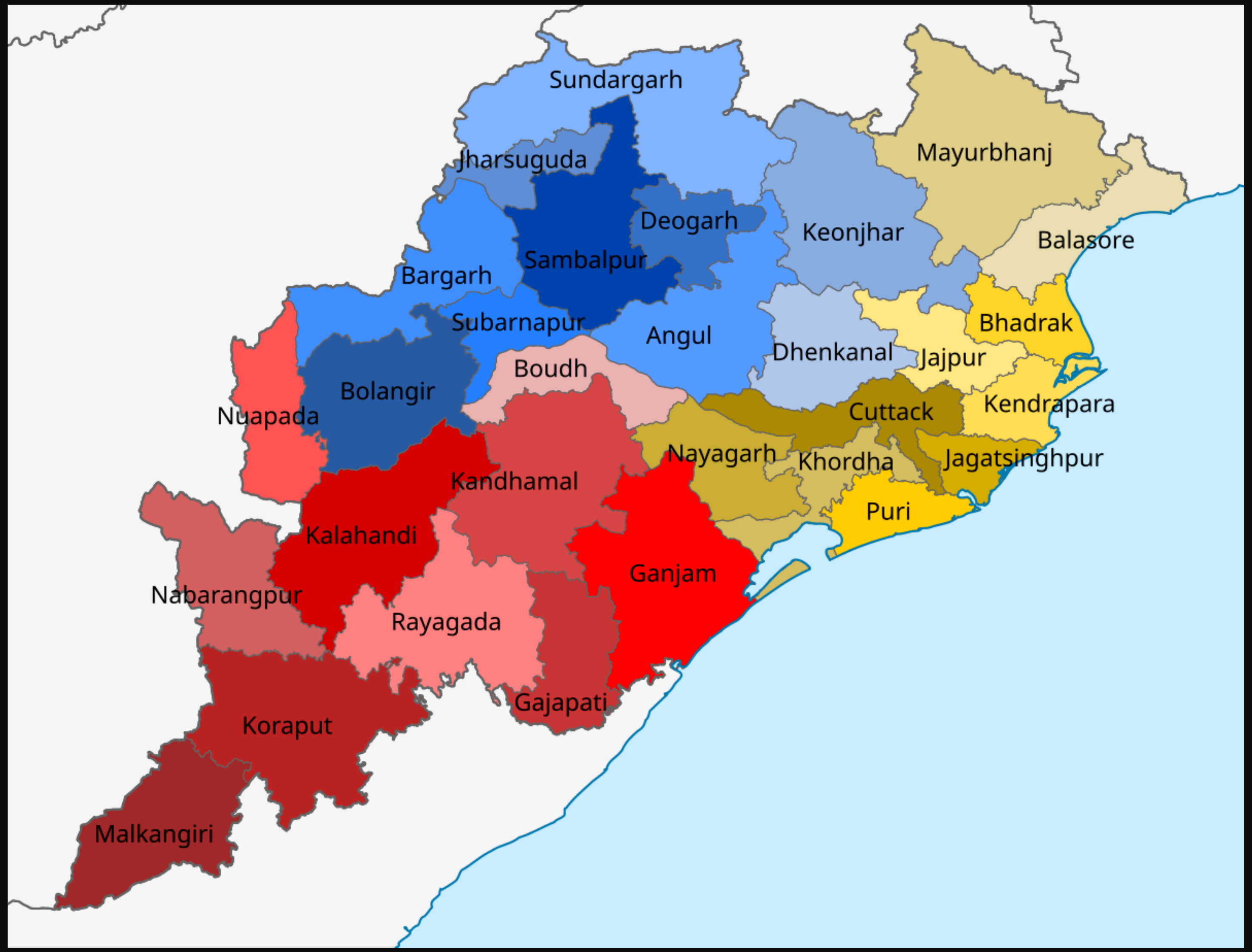

राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024

Daily Current News

Result Mitra

- **महत्वपूर्ण तथ्य (One-liners for MCQs):**
- राष्ट्रीय जल पुरस्कार की शुरुआत 2018 में हुई थी।
- इसका उद्देश्य स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर जल संरक्षण के सर्वोत्तम प्रयासों को पहचानना है।
- 2024 में ओडिशा को सर्वश्रेष्ठ राज्य और सूरत (गुजरात) को सर्वश्रेष्ठ ULB घोषित किया गया।
- पुरस्कार जल शक्ति मंत्रालय द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

प्रश्न 1: राष्ट्रीय जल मिशन के निम्नलिखित में से कौन-से उद्देश्य हैं?

1. जल उपयोग दक्षता में 20% तक सुधार
2. सभी के लिए मुफ्त जल आपूर्ति सुनिश्चित करना
3. जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जल संसाधनों को अनुकूल बनाना

A. केवल 1 और 2

B. केवल 1 और 3

C. केवल 2 और 3

D. सभी 1, 2 और 3

उत्तर: B. केवल 1 और 3
स्पष्टीकरण:
• मिशन का उद्देश्य जल उपयोग दक्षता में 20% तक सुधार और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को संबोधित करना है।
• मुफ्त जल आपूर्ति इर यह राज्य सरकारों की ना... का उद्देश्य नहीं है, बल्कि सकती है।

Result Mitra
CCPA
Right to Know
Right to Delete
Right to Opt-Out
Right to Nondiscrimination
CCPA ग्रीनवॉशिंग रोकथाम दिशा-निर्देश

- **CCPA ग्रीनवॉशिंग रोकथाम दिशा-निर्देश – 2024**
- जारीकर्ता: केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (Central Consumer Protection Authority – CCPA)
- **उद्देश्य:**
- उपभोक्ताओं को भ्रामक "हरित" (Green/eco-friendly) दावों से बचाना और पारदर्शिता को बढ़ावा देना।

- **ग्रीनवाशिंग क्या है?**
- ग्रीनवॉशिंग (Greenwashing) का आशय ऐसी गुमराह करने वाली गतिविधियों या विज्ञापनों से है, जिनमें उत्पाद या सेवा को "पर्यावरण के अनुकूल" बताकर झूठा या भ्रमित करने वाला दावा किया जाता है, जबकि उसके पीछे ठोस प्रमाण नहीं होता।
- **उदाहरण:**
- ऐसा दावा करना कि पैकेजिंग बायोडिग्रेडेबल है, लेकिन इसका प्रमाण न देना।केवल उत्पाद के एक छोटे भाग को "इको-फ्रेंडली" बता कर पूरे उत्पाद को "ग्रीन" घोषित करना।

- **मुख्य दिशा-निर्देश:**
- **1. स्पष्ट परिभाषा और पारदर्शिता:** पर्यावरणीय दावों में सटीक, स्पष्ट और सत्यापनीय भाषा का उपयोग अनिवार्य।
- तकनीकी शब्द जैसे EIA (Environmental Impact Assessment) आदि के अर्थ भी बताए जाने चाहिए।
- **2. दावों का प्रमाण और सत्यापन:** किसी भी हरित दावे को स्वतंत्र अध्ययन या थर्ड-पार्टी प्रमाणन द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए।
- यह डेटा सार्वजनिक रूप से सुलभ (publicly accessible) होना चाहिए।

- **3. स्पष्ट खुलासे (Disclosures):** यह बताना अनिवार्य होगा कि दावा किस पर लागू है:
- पूरा उत्पाद,उसका कोई विशिष्ट भाग,पैकेजिंग या विनिर्माण प्रक्रिया।
- सभी दावों को सीधे या QR कोड/वेब लिंक जैसी तकनीक से सत्यापित किया जा सके – यह सुविधा होनी चाहिए।
- केवल चुनिंदा सकारात्मक आंकड़ों को दिखाकर गुमराह नहीं किया जा सकता।

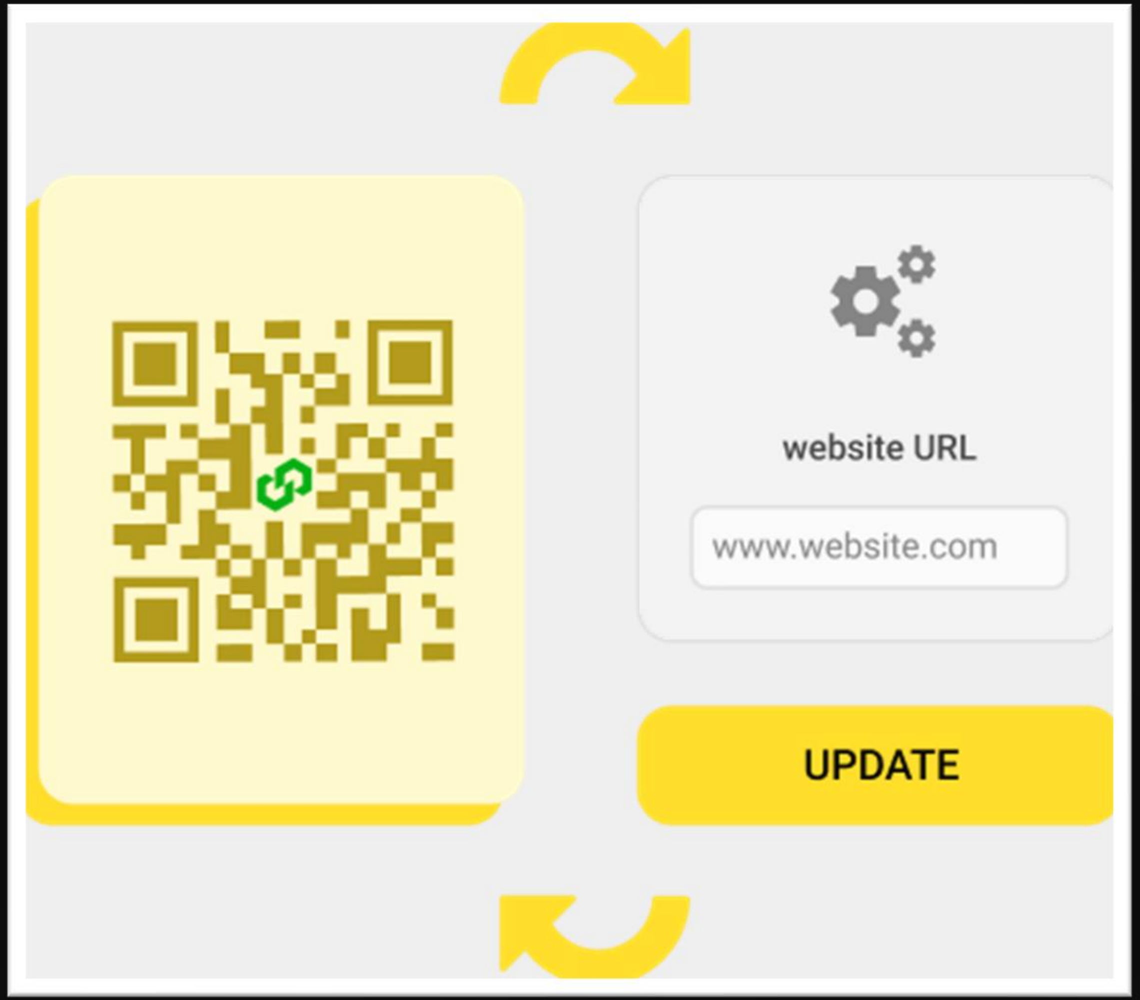

- **4. आकांक्षी और भविष्य केंद्रित दावे (Forward-looking Claims):**
- यदि कोई ब्रांड भविष्य में "ग्रीन" बनने का दावा करता है, तो उसे ठोस योजना,समय सीमा, और कार्रवाई योग्य कदम स्पष्ट रूप से बताने होंगे।
- **5. किन-किन पर लागू होंगे ये दिशा-निर्देश?**
- ये निम्नलिखित सभी पर लागू होंगे:उत्पाद निर्माता
- सेवा प्रदाता विक्रेता/वितरक विज्ञापन एजेंसी या प्रमोटर कोई भी व्यक्ति या संस्था जो "इको-फ्रेंडली" दावा करती है

- **UPSC उपयोगी One-liners:**
- CCPA की स्थापना Consumer Protection Act, 2019 के अंतर्गत की गई।
- ग्रीनवॉशिंग दिशा-निर्देश भ्रामक विज्ञापन रोकथाम दिशा-निर्देश, 2022 की अगली कड़ी हैं।
- दावों में पारदर्शिता और सत्यापन सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

Thank
you
Result Mitra